समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

आजम खाँ को सभी 72 मामलों मे जंमानत, जेल से रिहाई

Sanket Morankar Published on 23 Sep 2025

उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ समाजवादी पार्टी (सपा) नेता **आजम खाँ** को अदालत ने सभी 72 मामलों में जमानत दे दी है। इसके बाद उन्हें **जेल से रिहा कर दिया गया**। उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता अदालत के फैसले के बाद खुशी से झूम उठे।

आजम खाँ की रिहाई का मामला उत्तर प्रदेश राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। उन्होंने लंबे समय तक न्यायालयिक प्रक्रियाओं का सामना किया और अब इस जमानत के बाद उनकी राजनीतिक गतिविधियाँ फिर से सक्रिय होने की संभावना है।

- आजम खाँ की जमानत सभी मामलों में दी गई, जिनमें **भ्रष्टाचार, भूमि विवाद और अन्य आपराधिक आरोप** शामिल थे।
- अदालत ने यह निर्णय **कड़ी निगरानी और शर्तों के साथ** दिया।
- जमानत मिलने के बाद आजम खाँ ने **आत्मविश्वास और राहत** व्यक्त की, और अपने समर्थकों को धन्यवाद दिया।

आजम खाँ की रिहाई को लेकर राजनीतिक दलों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ आईं।

- **सपा** ने इसे न्याय और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीत बताया। पार्टी ने कहा कि आजम खाँ **यूपी के विकास और मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण नेता** हैं।
- **भाजपा** ने मामले को लेकर चुप्पी साधी, लेकिन कई विश्लेषकों का कहना है कि यह यूपी की सियासत में **सपा के लिए मजबूती** का संकेत है।
- विपक्षी दलों और राजनीतिक विशेषज्ञों ने कहा कि आजम खाँ की रिहाई से **उत्तर प्रदेश मे आगामी चुनावों की राजनीति पर असर** पड़ेगा।

आजम खाँ ने कई महीनों तक जेल में समय बिताया। इस दौरान उन्होंने **अदालत मे अपने पक्ष को मजबूती से रखा** और सभी

कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया।

- जेल में रहते हुए उन्होंने अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से **संपर्क बनाए रखा**।
- जेल के समय को उन्होंने **धैर्य और संयम** का समय बताया।

आजम खाँ की रिहाई के बाद उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया।

- सपा कार्यकर्ताओं ने अदालत के फैसले का स्वागत किया और **सड़क मार्गों पर जश्न मनाया**।
- सोशल मीडिया पर भी आजम खाँ की रिहाई को लेकर **ट्रेंडिंग और प्रतिक्रियाएँ** देखने को मिलीं।
- कई समर्थक इसे **सपा के भविष्य और उत्तर प्रदेश की राजनीति मे नंया अध्याय** मान रहे हैं।

आजम खाँ की रिहाई के बाद राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि:

- वे **फिर से सक्रिय राजनीति मे कंदम रख सकते है** ।
- सपा के लिए यह मौका है कि वे **यूपी मे अंपनी पकड़ मजबूत करे** ।
- आगामी चुनावों में आजम खाँ की **रणनीतिक भूमिका** महत्वपूर्ण हो सकती है, खासकर मुस्लिम और पिछड़े वर्गों के वोट बैंक को जोड़ने में।

- अदालत ने आजम खाँ को जमानत देते समय **कुछ शर्तें लंागू की है** ।
- उन्हें **नियमित तौर पर पुलिस के संपर्क मे रंहना होगा** और किसी भी आपराधिक गतिविधि से दूर रहना होगा।
- जमानत की शर्तों का उल्लंघन होने पर **फिर से गिरफ्तारी संभव** है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि आजम खाँ की रिहाई से **उत्तर प्रदेश की राजनीतिक समीकरण बदल सकते है ।**

- सपा के भीतर आजम खाँ की **नेतृत्व क्षमता और प्रभाव** अब और बढ़ जाएगा।
- विपक्षी दलों के लिए यह चुनौती भी है क्योंकि आजम खाँ **लोकप्रिय नेता के रूप मे संमुदायों को जोड़ने की क्षमता रखते है ।**
- विशेषज्ञों का कहना है कि यह जमानत सिर्फ **राजनीतिक पुनःस्थापना** का संकेत नहीं बल्कि सपा की आगामी रणनीति की भी तैयारी है।

आजम खाँ की जमानत और जेल से रिहाई **उत्तर प्रदेश की राजनीति मे नंया मोड़** है।

- यह फैसला न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि सपा और यूपी की सियासत के लिए भी महत्वपूर्ण है।
- आने वाले समय में उनके कदम और राजनीतिक गतिविधियाँ **चुनावी रणनीति और वोट बैकं पर असर** डाल सकती हैं।
- इस घटना ने यह भी दिखाया कि न्यायपालिका और कानूनी प्रक्रिया में धैर्य और रणनीति से काम लेने पर सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

आजम खाँ की रिहाई के बाद उनकी **सियासी वापसी और आगामी गतिविधियों पर सभी की नजरे** टिकी हुई हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.